तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

कांकेर भूमि

रायपुर, शनिवार 10 जनवरी 2026

भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

10 बस्तर पंडुम के आयोजन व क्रियान्वयन पर समाज ...

12 धान उठाव नहीं होने से खरीदी व्यवस्था चरमराई, ...

खबर संक्षेप

गंभीर चोट आने से युवक की हुई मौत, मर्ग कायम

कांकेर। सिकसोड़ थानांतर्गत ग्राम जेठेगांव के पास 18 नवंबर को हुई सड़क दुर्घटना में घायल जेठेगांव निवासी 20 वर्षीय सुमीत पटेल पिता गजेंद्र पटेल का मौत हो गया। अस्पताल से अस्पताली से अस्पताली पेश कर पुलिस को बताया गया कि मृतक को सड़क दुर्घटना में गंभीर चोट आया था। इलाज के लिए रायपुर के अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए सत्यम का चयन

कांकेर। भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर के एनसीसी कैडेट अंडर अफसर सत्यम पांडे पिता वीरेंद्र पांडे का चयन गणतंत्र दिवस शिविर 2026 नई दिल्ली के लिए हुआ है। वे कर्तव्य पथ परेड में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस उपलब्धि के लिए 8 छत्तीसगढ़ स्वतंत्र कंपनी एनसीसी कांकेर के कमान अधिकारी कर्नल सुमीत शर्मा ने बधाई देते कहा कि सत्यम पांडे का चयन सभी कैडेटों के लिए प्रेरणा होगा। एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर नई दिल्ली का कैंप एनसीसी के मूल्यों को कायम रखने एवं सदैव राष्ट्र की सेवा करने को प्रेरित करता है।

बाल विवाह मुक्त भारत के लिए शपथ ग्रहण 15 को

कांकेर। भारत सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार 08 मार्च 2026 तक 100 दिनों का बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी विद्यालयों, कॉलेजों, स्वास्थ्य केन्द्रों, छात्रावासों, पुलिस थानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा न्यायालयों में 15 जनवरी को दोपहर 12 बजे से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने उक्त दिवस को जिले के समस्त विद्यालयों, कॉलेजों, स्वास्थ्य केन्द्रों, छात्रावासों, पुलिस थानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा न्यायालयों में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

डूबने से युवक की मौत, मर्ग कायम

कांकेर। नरहरपुर थानांतर्गत मुरूमतरा निवासी 32 वर्षीय मन्नूराम मरकाम पिता दशरथ मरकाम का डूबने से 3 जनवरी को मौत हो गया। मुरूमतरा निवासी 32 वर्षीय मनराखन मरकाम ने पुलिस को बताया कि मृतक पानी में डूब गया था, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

ऐप से किसानों को धान बेचना हुआ आसान

कांकेर। विकासखंड कांकेर के ग्राम बेवरती निवासी किसान अमित सोनवानी ने धान खरीदी केंद्र बेवरती में 13 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने टोकन तुंहर हाथ एप के माध्यम से स्वयं टोकन काटा, जिससे धान बेचने की पूरी प्रक्रिया बेहद सरल, तेज और सुविधाजनक रही। किसान ने कहा कि पहले टोकन के लिए लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन मिलने से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

सियासत : ग्रामीणों ने कलेक्टर से एसडीएम की कार्यशैली की शिकायत की

बीएलओ पर भाजपा बूथ एजेंट के फर्जी हस्ताक्षर व नाम गायब करने की शिकायत ग्रामीणों ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य की पारदर्शिता उस समय सवालों के घेरे में आ गई, जब ग्राम पंचायत केसेकोड़ी और सम्बलपुर केन्द्र से बड़ी अनियमितताओं के आरोप सामने आए। आरोप है कि संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर ने न केवल भारतीय जनता पार्टी के बूथ लेवल एजेंट का फर्जी हस्ताक्षर किया, बल्कि दर्जनों पात्र मतदाताओं के नाम सूची से गायब कर दिए। एसडीएम ने बीएलओ को जो नोटिस जारी किया, उसमें इस मुद्दे को ही गायब कर दिया। शिकायतकर्ता अब इस मामले की शिकायत कलेक्टर से किया है।

जानकारी के अनुसार एसआईआर कार्य के दौरान ग्राम पंचायत केसेकोड़ी में पदस्थ बीएलओ कमलेश रावटे पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि बीएलओ द्वारा भारतीय जनता पार्टी के बूथ लेवल एजेंट राजेश दुग्गा के नाम से फर्जी हस्ताक्षर कर दस्तावेजों को पूर्ण दर्शाया गया, जबकि एजेंट की ओर से न तो सत्यापन किया गया और न ही किसी प्रकार का हस्ताक्षर किया गया। इतना ही नहीं ग्राम पंचायत केसेकोड़ी की सरपंच फुलबत्ती उसेंडी का नाम एसआईआर सूची में शामिल ही नहीं किया गया, जबकि वे पात्र मतदाता हैं। उनके नाम को किस आधार पर कैटेगरी सी में डाल दिया गया है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि नाम पर गंभीरता नहीं दिखाई, इसी से उसकी बड़ी लापरवाही नजर आ रही है। इसी तरह सम्बलपुर केन्द्र अंतर्गत सम्बलपुर के 32, गुटाकछार के 17 मतदाता एवं मिण्डी गांव के 10 पात्र मतदाताओं के नाम भी सूची से गायब पाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल कुछ उदाहरण हैं, वास्तविकता में एसआईआर सूची में कई स्तर पर भारी गड़बड़ी की गई है।

मृतक का फोटो और जीवित का नाम

मामले को और गंभीर बनाते हुए ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि एसआईआर कार्य के दौरान मृतक व्यक्ति का फोटो किसी जीवित व्यक्ति के नाम के साथ संलग्न कर दिया गया है। इसके अलावा नाम महिला का और उसके सामने फोटो पुरूष की लगा दी गई है। यह बीएलओ की न केवल लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सीधा सवाल खड़ा करता है।

खास बातें

- मतदाता सूची में जीवित व्यक्त का नाम, फोटो लगा दी मृतक की
- सरपंच की समस्त जानकारी होने के बाद नाम कैटेगरी सी में डाल दिया

एसडीएम की भूमिका पर सवाल

ग्रामीणों और शिकायतकर्ता पक्ष ने जब इस पूरे मामले को लेकर उच्च अधिकारी, एसडीएम के समक्ष अपनी बात रखी, तो वहां से भी उन्हें निराशा ही हाथ लगी। आरोप है कि एसडीएम ने मामले की गंभीरता को नजरअंदाज करते हुए यह कहकर बीएलओ का पक्ष ले लिया कि जल्दीबाजी में हस्ताक्षर हो गए होंगे। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यह जवाब न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि बीएलओ द्वारा किए गए कथित गंभीर कृत्य को हल्के में लेने का प्रयास भी प्रतीत होता है।

नोटिस में फर्जी हस्ताक्षर का जिक्र नहीं

बताया जा रहा है कि एसडीएम द्वारा भाजपा के बूथ लेवल एजेंट का बयान लेने के बाद बीएलओ को जो नोटिस जारी किया गया, उसमें फर्जी हस्ताक्षर जैसे गंभीर आरोप का उल्लेख तक नहीं किया गया। इससे ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं में यह धारणा बन रही है कि एसडीएम स्तर पर बीएलओ की लापरवाही को छिपाने और उसे संरक्षण देने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीणों में आक्रोश, कलेक्टर से की शिकायत

एसडीएम के रवैये से असंतुष्ट ग्रामीणों ने गुरुवार को कलेक्टर से मिलकर पूरे मामले की लिखित शिकायत की। ग्रामीणों ने मांग की है कि एसआईआर कार्य में हुई सभी अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी बीएलओ के खिलाफ कड़ी कार्यवाही हो और जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, उन्हें तत्काल जोड़ा जाए।

लोकतंत्र की जड़ें कमजोर करने का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि मतदाता सूची में इस तरह की लापरवाही और कथित हेराफेरी लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने जैसा है। यदि समय रहते इस पर कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले चुनावों में इसकी गंभीर परिणति देखने को मिल सकती है।

ग्रामीणों को कलेक्टर से उम्मीद

संबलपुर के ग्रामीण एवं भाजपा के बूथ लेवल एजेंट को एसडीएम से सही ढंग से जवाब नहीं मिलने और सही ढंग से बीएलओ को नोटिस नहीं देने पर मोटर सायकल से कांकेर पहुँचे और कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर को लिखित में शिकायत दिया है। ग्रामीणों और राजनीतिक दलों को कलेक्टर से उम्मीद है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जाएगी और दोषियों को किसी भी स्तर पर बख्शा नहीं जाएगा।

ईसाई धर्म छोड़कर पारंपरिक धर्म में लौटने पर समाज ने किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गूकोंदल ब्लॉक के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में ग्राम तुमरीसूर और गुलालबोडी में सामाजिक समरसता और पारंपरिक आस्था से जुड़े एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल तीन परिवारों के 10 सदस्यों ने ईसाई धर्म छोड़कर अपने मूल पारंपरिक धर्म में वापसी किया, जिसे समाज ने सम्मानपूर्वक स्वीकार किया।

- तुमरीसूर और गुलालबोड़ी के 10 सदस्यों ने अपनाया मूल धर्म

समाज प्रमुखों ने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपरा और आस्था है, जिसे संरक्षित रखना सभी का दायित्व है। ऐसे कार्यक्रम न केवल सांस्कृतिक पहचान को मजबूती देते हैं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारा और एकता को भी बढ़ावा देते हैं। ग्राम और समाज की परंपरा के अनुसार, इन परिवारों का स्वागत गायता, पटेल, जनप्रतिनिधियों और समाज प्रमुखों की उपस्थिति में पारंपरिक रीति से किया गया। पूजा-अर्चना और परंपरागत अनुष्ठानों के माध्यम से समाज में सुख-शांति, एकता और समृद्धि की कामना की गई। समाज प्रतिनिधियों ने सभी परिवारों का पारंपरिक ढंग से स्वागत करते हुए कहा कि समाज में कोई भेदभाव नहीं है और सभी का उद्देश्य सामूहिक रूप से आगे बढ़ना और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखना है। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने वाला कार्यक्रम बताया। समाज प्रमुखों ने अंत में सभी से आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता ⏭शेष पेज 10 पर

नेटवर्क की तलाश में जामगांव के ग्रामीणों को भटकना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

डिजिटल इंडिया के दौर में जहाँ एक क्लिक पर दुनिया सिमट आई है, वहीं कांकेर जिले का जामगांव आज भी नेटवर्क की तलाश में जूझता नजर आ रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि ग्रामीणों को इंटरनेट पकड़ने के लिए घरों की छतों पर चढ़ना पड़ रहा है। धीमी इंटरनेट रफ्तार अब यहाँ सिर्फ तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। जामगांव के ग्रामीणों का कहना है कि जरूरी ऑनलाइन काम निपटाने के लिए उन्हें घरों की छतों पर चढ़ना पड़ता है, तब ⏭शेष पेज 10 पर

- जामगांव में सुस्त इंटरनेट बना बड़ी मुसीबत, नहीं ले रहे सुध

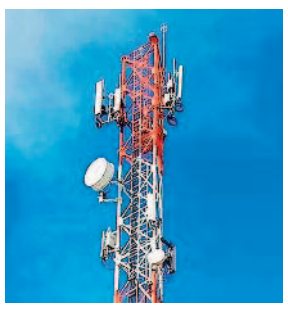

नपं की सुस्ती, ठेकेदार की मानमानी से वार्ड 14 एवं 15 की जनता परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ पखांजूर

पखांजूर नगर पंचायत के वार्ड 14 और 15 के लोग इन दिनों विकास कार्यों के नाम पर लगातार बढ़ रही समस्याओं का सामना कर रहे हैं। विकास की आड़ में खोदी गई नालियां और बीच सड़क पर बिखरी गिट्टी अब किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही हैं। नागरिकों का कहना है कि संबंधित विभाग केवल नोटिस जारी करने तक सीमित रह गया है, जबकि असली समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 14 में नाली निर्माण का काम पिछले एक महीने से ठप पड़ा हुआ है। ठेकेदार ने खुदाई जरूर कर दी, लेकिन उसे पूरा करने का कोई प्रयास नहीं किया। इस लापरवाही का असर पड़ता पड़ता वार्ड 15 की मुख्य सड़क पर आ गया। निर्माण के लिए लाई गई गिट्टी को सड़क किनारे लंबे समय से डंप कर दिया गया, जिससे मार्ग संकरा हो गया और रात के अंधेरे में गुजरना खतरनाक हो गया है। दोपहिया वाहन चालक लगातार फिसल रहे हैं और स्थानीय लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय लोगों ने कई बार ठेकेदार और अधिकारियों से शिकायत किया, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। स्थानीय निवासी इस परिस्थिति को विकास या ⏭शेष पेज 10 पर

ऑपरेशन संकल्प जारी, पुलिस ने गांजा बिक्रेता को दबोचा, किया जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

ऑपरेशन संकल्प के तहत थाना भानुप्रतापपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री करने वाले एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्त अभियान ऑपरेशन संकल्प लगातार जारी है। इसी कड़ी में एएसपी भानुप्रतापपुर आईपीएस आकाश श्रीश्रीमाल एवं एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना भानुप्रतापपुर पुलिस ने सफलता हासिल की। भानुप्रतापपुर पुलिस को 9 जनवरी को मुखबिर से जानकारी मिली कि ग्राम कुल्हाड़कट्टा के मुर्गा बाजार क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री हेतु ग्राहक तलाश ⏭शेष पेज 10 पर

सभी लोकों में मणिद्वीप देवताओं का लोक श्रेष्ठ है और जिसकी अनुभूति का साधन है साधना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

आध्यात्मिक चेतना, भक्ति और आस्था के अद्भुत संगम के बीच श्रीमद देवी भागवत कथा के सप्तम दिवस पर कथा पंडाल माता की जयकारों से गूंज उठा। व्यासपीठ पर विराजमान भागवताचार्य एवं ज्योतिषाचार्य पंडित देवव्रत शास्त्री ने श्रद्धालुओं को जीवन का गूढ़ संदेश देते हुए कहा कि यदि हमें कल अच्छा बनाना है, तो आज अच्छा कर्म करना ही होगा। उनके प्रेरक वचनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया। शुक्रवार को कथा के दौरान पंडित शास्त्री ने मणिदीप (मणिद्वीप) दर्शन, देवी के अनंत रूपों की कथा तथा देवी भागवत की चढ़ोत्तरी का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण के लिए पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, विशेषकर महिलाएं, उपस्थित रहीं और माता के गुणगान में भाव-विभोर नजर आईं।इस अवसर पर माता दुर्गा के नव रूपों की भव्य झांकी निकाली गई, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। झांकी में माता के स्वरूपों की दिव्यता और अलौकिक छटा देखते ही बनती थी। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कथा में मणिद्वीप का महत्व बताते हुए पंडित देवव्रत शास्त्री ने कहा कि मणिद्वीप देवताओं के सभी लोकों से भी श्रेष्ठ है, जिसकी कल्पना भी साधारण मन नहीं कर सकता। यह ब्रह्मलोक के ऊपर स्थित रत्नों से सुशोभित ज्योतिर्मय दिव्य लोक है, जहाँ आदिशक्ति जगदम्बा ललिता त्रिपुरसुंदरी विराजमान हैं और सम्पूर्ण सृष्टि का संचालन करती हैं। ब्रह्मा, विष्णु और महेश जैसे देवता भी यहीं से शक्ति प्राप्त कर ब्रह्मांड के कार्य संपन्न करते हैं। उन्होंने कहा कि मणिद्वीप का श्रवण, चिंतन या वहाँ स्थान पाने की साधना से साधक जन्म-मरण के चक्र से मुक्त होकर परम शांति और मोक्ष की प्राप्ति करता है। यह कथा न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाती है, बल्कि जीवन को सद्कर्म, सद्भाव और भक्ति से जोड़ने की प्रेरणा भी देती है। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने माता की आरती कर सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया।

- श्रीमद देवी भागवत कथा के सप्तम दिवस देवव्रत शास्त्री का संदेश
- माता के नव रूपों की भव्य झांकी निकाली गई

व्यापारी संघ ने स्लोप ब्रेकर बनाने और रंग-रोगन करने की मांग की

भानुप्रतापपुर के चारों प्रमुख मार्गों पर बने ब्रेकर से हो रहीं प्रतिदिन दुर्घटनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

भानुप्रतापपुर नगर में सड़क सुरक्षा के नाम पर बनाए गए ब्रेकर अब आमजन और व्यापारियों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं। नगर के चारों प्रमुख मार्गों पर लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित अत्यधिक ऊचे ब्रेकरों को लेकर व्यापारी संघ भानुप्रतापपुर ने कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए प्रशासन से तत्काल सुधार की मांग किया है। व्यापारियों का कहना है कि यह ब्रेकर दुर्घटनाओं को रोकने के बजाय हादसों की वजह बन सकते हैं, यदि समय रहते इन्हें मानक के अनुरूप नहीं बनाया गया। भानुप्रतापपुर के चारों प्रमुख मार्गों पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाए गए ऊँचे ब्रेकरों को लेकर व्यापारी संघ भानुप्रतापपुर ने नाराजगी जताई है। संघ का कहना है कि ब्रेकर जरूरत से ज्यादा ऊँचे हैं, जिससे दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ-साथ एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहनों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर व्यापारी संघ के अध्यक्ष राकेश रामानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम गंगाधर वाहिले से मुलकात कर समस्या को बताया ⏭शेष पेज 10 पर

एसडीएम से मिलने के दौरान यह रहे शामिल

एसडीएम से मुलकात एवं ज्ञापन देने के दौरान अनूप चौधरी, विशाल आहूजा, गौरव नशीने, अनंत गोपाल कोठारी, अजय लखानी, प्रदीप जैन, लक्ष्मण माखीजा, नितिन योगी, नमन जैन, यश कथूरिया, मोंटी कुलदीप सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष हेमेंद्र और महामंत्री खेम बने

कांकेर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष आलोक ठाकुर ने प्रदेशाध्यक्ष किरण देव एवं संगठन मंत्री पवन साय के मार्गदर्शन में किसान मोर्चा के प्रदेश एवं जिला के पदाधिकारियों की घोषणा किया है, इसी के तहत जिला पंचायत के पूर्व सदस्य हेमेंद्र ठाकुर को कांकेर जिला का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि खेम तिवारी को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह बदलाव संगठन को और अधिक सक्रिय, संगठित और किसान हितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। किसान मोर्चा के नए नेतृत्व के तहत आने वाले समय में किसानों के मुद्दों पर नई ऊर्जा के साथ काम करने की उम्मीद जताई जा रही है। संगठन ने कहा कि हेमेंद्र और खेम का संयुक्त नेतृत्व किसानों के लिए नई दिशा और मजबूत आवाज साबित होगा।

एक दिवसीय जिला स्तरीय आयोजन 28 जनवरी को भीरावाही में

बस्तर पंडुम के आयोजन व क्रियान्वयन पर समाज प्रमुखों से की गई रायशुमारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

बस्तर संभाग की जनजातीय संस्कृति, स्थानीय कला, पारंपरिक लोक गीत, लोक नृत्य, व्यंजन, परिधान, पेय पदार्थों के मूल संरक्षण एवं संवर्धन करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा बस्तर पण्डुम 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर जिला पंचायत सीईओ ने बैठक करके रणनीति तैयार किया।

जिला पंचायत के सभाकक्ष में 9 जनवरी की शाम साढ़े 4 बजे आयोजित बैठक में कार्यक्रम स्थल, आयोजन समितियों का गठन, प्रतिभागियों के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था, अधिकाधिक कलाकारों की सहभागिता तथा सिलसिलेवार विधाओं की बेहतर प्रस्तुति पर द्विपक्षीय चर्चा की गई। इसके अलावा आयोजन के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए बस्तर की जनजातीय पारंपरिक विरासत व संस्कृति को सहेजने तथा लुप्तप्राय आदिवासी सभ्यता को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया गया। साथ ही जिला पंचायत के सीईओ एवं बस्तर पण्डुम के नोडल अधिकारी ने उपस्थित सभी समाज प्रमुखों को आवश्यक सहयोग करने की अपील की। बैठक में यह भी तय किया गया कि पारंपरिक पूजा पद्धति से जुड़े गायता, पटेल, पुजारी आदि के माध्यम से आयोजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। सीईओ ने विधावार तैयारियां सुनिश्चित करने और सामूहिक, युगल और एकल प्रस्तुतियों में पूर्व से तैयारियां एवं जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही परस्पर समन्वय स्थापित करने की बात उन्होंने कही।

उल्लेखनीय है कि बस्तर पण्डुम में 12 विधाओं को सम्मिलित किया गया है जिसमें बस्तर जनजातीय नृत्य, जनजातीय गीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, पारंपरिक वेशभूषा एवं आभूषण, जनजातीय पूजा पद्धति, बस्तर शिल्प, चित्रकला, जनजातीय पेय पदार्थ, व्यंजन आंचलिक साहित्य और बस्तर वनौषधि का प्रदर्शन व प्रस्तुति शामिल है। इन विधाओं में स्थानीय कलाकारों को उचित प्लेटफॉर्म देने पर भी समाज प्रमुखों के साथ परस्पर चर्चा की गई। इस दौरान कांकेर एसडीएम श्री अरुण वर्मा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सुश्री जया मनु, जिला शिक्षा अधिकारी सहित विभिन्न जनजातीय समाज के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

चिरायु मेगा हेल्थ कैंप में 290 बच्चों का किया गया परीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गुकोंदल

स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित चिरायु योजना के अंतर्गत विकासखंड दुर्गुकोंदल में विकासखंड स्तरीय चिरायु मेगा हेल्थ कैंप का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें आंगनवाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया।

शिविर के दौरान कुल 290 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान मुख्य रूप से कुपोषण एवं नेत्र रोग से ग्रसित बच्चों की पहचान कर उनका प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से प्रभावित बच्चों को आवश्यकतानुसार आगे के उपचार एवं रेफरल की सलाह भी दी गई। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य ऐसे शिविरों के माध्यम से बच्चों में प्रारंभिक अवस्था में ही बीमारियों की पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करना है। यह आयोजन खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज किशोरे के नेतृत्व में चिकित्सा एवं चिरायु टीम ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए शिविर को सफल बनाया। चिरायु टीम से डॉ. मुकेश साहू, डॉ. विकास मिश्रा, डॉ. नंदिनी साहू, डॉ. गीता सिदार के साथ ही जय प्रकाश ध्रुव, लीलाधर बिंदा तुमरेती का शिविर में विशेष सहयोग रहा। सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने बच्चों की जांच, परामर्श एवं उपचार में सक्रिय भूमिका निभाई।

ई-रिक्शा-बाइक टक्कर के दो हादसे, दोनों चालक पुलिस की हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

सरोना थाना क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। अलग-अलग स्थानों पर हुई दो गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के चलते लोग गंभीर रूप से घायल हुए। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपी चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जिले के सरोना थाना क्षेत्र में नए वर्ष के आगमन के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। दोनों ही मामलों में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने का आरोप है, जिसके चलते निर्दोष लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पहली घटना 31 दिसंबर की है, जिसमें अन्नपूर्णापारा कांकेर निवासी 46 वर्षीय ईश्वर चंद्र साहू अपने भतीजे दिवाकर साहू के साथ ग्राम अमाली थाना नगरी से स्कूटी क्रमांक सीजी 19 बीटी 6998 से कांकेर लौट रहे थे। ग्राम पुरियारा टुरी नदी के पहले पोल्ट्री फार्म के पास लगभग 11 बजे सामने से आ रही इलेक्ट्रिक ई-रिक्शा क्रमांक सीजी 19 बीडब्ल्यू 2269 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पीछे बैठे दिवाकर साहू के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। घायल को तत्काल जिला अस्पताल कांकेर ले जाया गया, जहां से पैर में फ्रैक्चर पाए जाने पर रायपुर रेफर किया गया। फिलहाल दिवाकर साहू का इलाज रायपुर के निजी अस्पताल में जारी है। इस मामले में पुलिस ने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ धारा 125(ए) व 281 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

दूसरी घटना 1 जनवरी को सरोना थाना अंतर्गत पुरियारा के पास हुई। कोरर थाना क्षेत्र के ग्राम कन्हारपुरी निवासी 36 वर्षीय शांता राम यादव ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके मामा गोवर्धन यादव खेत से पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान करप की ओर से आ रही मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 19 बीई 0432 के चालक ने तेज गति और गलत साइड में वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गोवर्धन यादव के सिर से खून बहने लगा और पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपी चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इन घटनाओं ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि सड़क पर थोड़ी-सी लापरवाही भी किसी के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। पुलिस ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

दमकसा में बस्तर पंडुम 16 को, जनपद सीईओ ने दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गुकोंदल

दुर्गुकोंदल में बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपरंपराओं, कला और विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से बस्तर पंडुम 2026 का आयोजन इस वर्ष भी बड़े और आकर्षक स्वरूप में किया जाएगा।

बस्तर पण्डुम की तैयारियों को लेकर जनपद सीईओ सुरेन्द्र बंजारे की अध्यक्षता में जनपद सभाकक्ष में सर्वसम्मति से बैठक हुई, जिसमें 16 जनवरी शुक्रवार को ग्राम दमकसा में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सीईओ ने बताया कि प्रशासन द्वारा इस बार 7 से बढ़ाकर 12 विधाओं को शामिल करने का निर्देश दिए है, जिसका मुख्य उद्देश्य बस्तर की आदिवासी संस्कृति, कला और विरासत को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है और इस उत्सव का आयोजन 10 जनवरी से 5 फरवरी 2026 तक तीन चरणों जनपद, जिला और संभाग स्तर में होगा। प्रथम चरण में जनपद स्तर पर 10 से 20 जनवरी के मध्य सम्पन्न कराया जाना है, जिसके लिए हम तैयारी करनी है, जो विधाओं में प्रतिभागी भाग लेंगे, वे जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, वेशभूषा, आभूषण, शिल्प, चित्रकला, पारंपरिक व्यंजन, वन-औषधि आदि शामिल हैं। कार्यक्रमों के माध्यम से बस्तर की कला, शिल्प, त्योहार, खान-पान, भाषा-बोली, आभूषण, वाद्ययंत्र, नृत्य-गीत, साहित्य, वन-औषधि और देवगुड़ियों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया जाएगा।

समीक्षा बैठक में समाज प्रमुखो नंदकिशोर नेताम, झाड़ूराम उईका, जनपद उपाध्यक्ष आनंद तेता, जनपद सदस्य राजू नायक, हेमलता उईका एवं सरपंचो के साथ, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरडी ठाकुर, कार्योपण अधिकारी आरके किशोरे, सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अंजनी मंडावी, मंडल संयोजक सोमेश्वर ठाकुर सहित सरपंच शकुंतला नरेटी, तुलसी मतलाम, शिवलाल ध्रुव, मुकेश गावड़े, सोमनाथ नेताम, रजलाल आचला, नन्दकुमार खरे, उमेश्वरी मंडावी, चांदनी जाड़े, मीना दुग्गा, रमुला नरेटी, अनुपा कोवाची सहित समाज प्रमुख उपस्थित रहे।

तनाव मुक्त रहेगा बच्चा, तो खुशी-खुशी देगा परीक्षा, मोटिवेशन कार्यशाला हुई आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गुकोंदल

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेडो में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा की प्रभावी तैयारी और विद्यार्थियों को परीक्षा-तनाव से मुक्त रखने के उद्देश्य से एक प्रेरक मोटिवेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला नोडल शिक्षक पंकज श्रीवास्तव, एपीसी ज्ञानेश आर्य, सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अंजनी मंडावी तथा आकांक्षी ब्लॉक फैलो प्रीति गंजीर के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की काउंसिलिंग की गई। कार्यशाला का उद्देश्य 100 प्रतिशत परिणाम के साथ बेहतर अंकों में सफलता दिलाना रहा।

जिला नोडल शिक्षक ने संभावित मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों से संवाद कर विषयवार कठिनाइयों की पहचान की। उन्होंने समय-नियोजन, दैनिक दिनचर्या, परीक्षा नोट्स बनाकर अभ्यास, ब्लूप्रिंट के अनुसार उत्तर-लेखन, अंकों के अनुरूप प्रस्तुति तथा समूह अध्ययन के लाभ बताए। विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर अपनी कार्य-क्षमता को निरंतर परिष्कृत करने की सलाह दी गई। एपीसी ने विद्यार्थियों से लिखित अभ्यास के बाद कठिन विषय-वस्तु पर विषय शिक्षक से चर्चा करने, जिला हेल्पलाइन का उपयोग कर जिज्ञासाओं का समाधान करने और नियमित पुनरावृत्ति पर जोर दिया। सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अंजनी मंडावी और आकांक्षी ब्लॉक फैलो प्रीति गंजीर ने तनावमुक्त रहकर परीक्षा का आनंद लेने के उपाय साझा किए जैसे अनसॉल्व्ड पेपर का अध्ययन, पढ़ाई के लिए शांत कक्ष का चयन, व्यायाम व पर्याप्त नींद का संतुलन, टॉपर विद्यार्थियों की उत्तर-पुस्तिकाओं का अवलोकन तथा अपनी उत्तर-पुस्तिका की कमियों का स्व-मूल्यांकन। संस्था के प्राचार्य हेमंत कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थिति, मॉडल पेपर, तिमाही-छमाही व प्री-बोर्ड प्रश्नपत्रों के आधार पर ब्लूप्रिंट से स्वमूल्यांकन कर तैयारी करने की बात कही। विद्यार्थियों की व्यक्तिगत समस्याओं पर चर्चा कर उपचारात्मक एवं समस्या-समाधान कक्षाएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। कार्यशाला में ऊषा तारम, मेघनाथ कांगे, जगन प्रसाद नरेटी, मधुलता चंद्राकर, अनिल साहू, सरस्वती कोमरा, राजमाला देवनाथ, विनीता जैन, शारदा सिन्हा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यार्थियों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए आत्मविश्वास में वृद्धि की बात कही।

क्रांतिवीर सुखदेव पातर की पुण्यतिथि सभा में सेनानी का दर्जे देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गुकोंदल

भेलवापानी के महान क्रांतिवीर सुखदेव पातर की 64 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर ग्राम सोनादई में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह भेलवापानी में प्रभातफेरी निकाली गई, जिसके पश्चात समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में समाजजन, जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि की आसंदी से सांसद ने कहा कि देश की आजादी के लिए लड़ने वाला कोई एक समाज, जाति या धर्म का नहीं होता, बल्कि वह पूरे देश का नायक होता है। उन्होंने कहा कि भेलवापानी के क्रांतिवीर सुखदेव पातर ने इंदरू केंवट और कंगलू कुम्हार के साथ मिलकर लोगों को संगठित किया और स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई। छत्तीसगढ़ वीरों की धरती रही है। भूमकाल आंदोलन में गुंडाधूर के नेतृत्व में अंतागढ़ के कोलर से संघर्ष की शुरुआत हुई। भानुप्रतापपुर विधानसभा की विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने कहा कि सुखदेव पातर का देश की आज़ादी के लिए योगदान अविस्मरणीय है। हल्बा समाज की अपनी अलग पहचान है, यह समाज शिक्षित और नौकरीपेशा होने के साथ सामाजिक एकता का उदाहरण भी है। उन्होंने समाज से संगठित रहकर सुख-दुख में साथ निभाने का आह्वान किया। सामाजिक कार्यकर्ता कोमल हुपेंडी ने कहा कि विभिन्न सरकारों के कार्यकाल में परिवार और क्षेत्रवासियों ने सेनानी दर्जे की मांग उठाई, पर 25 वर्षों बाद भी न्याय नहीं मिला। क्रांतिवीर परिवार के ढालसिंह पात्र ने भी पीड़ा व्यक्त की। आयोजित कार्यक्रम में जीआर राणा, पीलम नरेटी, गोपी बढ़ाई, डॉ. जीवन नाग, विजय पटेल, पंचू नायक, बसंती भालेश्वर, लीलाधर कुलदीप, कन्हैयालाल पात्र, सोमदेव नायक, मनीष देहारी, सविता उयके, आनंद तेता, उपेश्वर ठाकुर, हुमन मरकाम, हजारी मंडावी, सियाराम तुलावी सहित अनेक वक्ताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश बघेल ने किया तथा आभार श्रीराम बघेल ने व्यक्त किया।

दुर्गूकोंदल के धान खरीदी केंद्रों में परिवहन ठप, जगह के अभाव में खरीदी संकट में

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गुकोंदल

विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 के तहत 15 नवंबर 2025 से धान खरीदी कार्य प्रारंभ किया गया था, लेकिन प्रारंभ से ही यह प्रक्रिया विभिन्न बाधाओं के कारण सुचारू रूप से संचालित नहीं हो सकी। पहले दो दिनों तक अवकाश रहने के कारण खरीदी शुरू नहीं हो पाई, वहीं इसके बाद शुरुआती सप्ताह में लैंप्स कर्मचारियों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों की हड़ताल के चलते खरीदी कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार 15 नवंबर से 9 जनवरी तक कुल 55 दिनों की अवधि बीत जाने के बावजूद विकासखंड दुर्गुकोंदल के किसी भी धान खरीदी केंद्र से धान का उठाव लगभग शून्य रहा है। अब तक मात्र लगभग 910 क्विंटल धान का ही उठाव हो सका है, जिससे खरीदी केंद्रों में भंडारण की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। केंद्रों में जगह की भारी कमी के चलते आने वाले दिनों में धान खरीदी पूरी तरह बंद होने की स्थिति बनती नजर आ रही है। दुर्गुकोंदल धान खरीदी केंद्र के लैंप्स प्रबंधक रवि वर्मा एवं धान खरीदी प्रभारी जितेंद्र साहू ने बताया कि इस केंद्र में कुल 1,685 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक 672 किसानों ने धान विक्रय किया है। केंद्र में अब तक कुल 3,697.20 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है, जबकि इस केंद्र का कुल लक्ष्य 72,000 क्विंटल निर्धारित किया गया है। वर्तमान में प्रतिदिन की खरीदी सीमा 1,900 क्विंटल तय की गई है, किंतु धान का उठाव नहीं होने एवं भंडारण स्थल की कमी के कारण सोमवार 12 जनवरी 2026 से धान खरीदी बंद करने की स्थिति बन रही है, जबकि शासन द्वारा धान खरीदी की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। वर्तमान में 20 से 22 दिन ही शेष बचे हैं, ऐसे में यदि शीघ्र ही धान का उठाव प्रारंभ नहीं किया गया। किसानों का धान समर्थन मूल्य पर खरीदा जाना मुश्किल हो जाएगा।

पेज 9 के शेष...

ईसाई धर्म छोड़कर...

बनाए रखने का आव्हान किया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम, शिवलाल ध्रुव, बहादुर तुलावी, ललू पुडो, विजय पटेल के अलावा ग्राम गायता और पटेल सहित बड़ी संख्या में समाज प्रमुख, वरिष्ठजन और ग्रामीण उपस्थित रहे।

नेटवर्क की तलाश...

कहीं जाकर थोड़ी-बहुत कनेक्टिविटी मिल पाती है। डिजिटल लेनदेन अब आम बात हो चुकी है, ऐसे में जामगांव के व्यापारी और आम नागरिक ऑनलाइन भुगतान करने में असहाय महसूस कर रहे हैं। अक्सर सर्वर डाउन या इंटरनेट स्लो होने के कारण ट्रांजेक्शन फेल हो जाते हैं, जिससे आमजन को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका सीधा असर देखने को मिल रहा है। स्कूली छात्र-छात्राएं ऑनलाइन पढ़ाई, प्रोजेक्ट और फॉर्म भरने के लिए परेशान हैं, वहीं सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन पंजीयन कराने वाले ग्रामीणों को बार-बार निराशा हाथ लग रही है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही इंटरनेट की गति में सुधार नहीं हुआ, नया मोबाइल टावर नहीं लगाया गया या नेटवर्क क्षमता का विस्तार नहीं किया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। जागरूक नागरिकों ने प्रशासन और संचार विभाग से मांग किया है कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाए जाएँ, ताकि जामगांव के ग्रामीण भी आधुनिक संचार सुविधाओं का लाभ बिना बाधा के उठा सकें।

नपं की सुस्ती...

विनाश की दुविधा बता रहे हैं। उनका कहना है कि अगर जल्द कदम नहीं उठाया गया, तो किसी बड़े हादसे की संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वार्ड 14-15 में विकास कार्यों की सुस्ती और ठेकेदार की मनमानी अब सीधे तौर पर आम लोगों की जान के लिए खतरा बन गई है। नागरिकों का कहना है कि नोटिस केवल कागजों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए; जब तक सड़क से गिट्टी हटती नहीं और काम शुरू नहीं होता, तब तक खतरा कायम है।

ठेकेदार को नोटिस दिया गया– उपयंत्री अभिषेक दत्ता ने कहा कि स्थानीय नागरिकों के द्वारा शिकायत किया गया है और ठेकेदार को नोटिस जारी कर कड़े निर्देश दिए गए हैं। काम एक माह से बंद है, इस पर उनके द्वारा किसी भी तरह की टिप्पड़ी नहीं किया गया है।

ऑपरेशन संकल्प जारी...

कर रहा है। सूचना की तस्दीक करने के उपरांत पुलिस टीम तत्काल रवाना हुई और बताए गए स्थान पर घेराबंदी किया। घेराबंदी के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को मिला, जिसके हाथ में एक प्लास्टिक थैला था। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम नेहरू बेलसरिया, पिता विष्णु बेलसरिया उम्र 31 वर्ष, निवासी आवासपारा, ग्राम कुल्हाड़कट्टा बताया। पुलिस द्वारा जब प्लास्टिक झोले की तलाशी ली गई तो उसके अंदर झिल्ली में रखा अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। जांच में आरोपी के कब्जे से 1.052 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 52,500 रूपएं है, जप्त किया गया। आरोपी गांजे की अवैध बिक्री के लिए ग्राहक तलाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

भानुप्रतापपुर के चारों...

और ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया कि विशेष रूप से महिलाएं और दोपहिया वाहन चालक इन ब्रेकरों से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। अचानक ऊँचाई वाले ब्रेकरों के कारण संतुलन बिगड़ने से गिरने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। व्यापारी संघ ने मांग की है कि सभी ब्रेकरों को मानक के अनुसार स्लोपयुक्त बनाया जाए, ताकि वाहन आसानी से गुजर सके। इसके साथ ही ब्रेकरों पर स्पष्ट और चमकीला रंग-रोगन किया जाए, जिससे वे दूर से ही नजर आएं और वाहन चालक समय रहते गति नियंत्रित कर सकें। संघ का मानना है कि उचित डिजाइन और संकेतक न होने से ही अधिकांश दुर्घटनाएं होती हैं। इसके अलावा ज्ञापन में मुख्य चौक स्थित फोटो स्टूडियो के सामने एक नया ब्रेकर बनाए जाने की भी मांग की गई है। व्यापारियों के अनुसार इस स्थान पर तेज रफ्तार वाहनों का दबाव अधिक रहता है, जिससे आए दिन दुर्घटना की स्थिति बनती है। वहां नियंत्रित और मानक ब्रेकर बनने से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। व्यापारी संघ ने पीडब्ल्यूडी विभाग और प्रशासन से जनहित में शीघ्र कार्रवाई कर समस्या का स्थायी समाधान करने की अपील की है।

खबर संक्षेप

आवारा कुत्तों का वैक्सीनेशन अभियान तेज

गीदम। जिले के सभी नगरीय निकायों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जानवरों से होने वाले संक्रमणों की रोकथाम के उद्देश्य से आवारा कुत्तों का व्यापक एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में नगर पंचायत बारसूर में नगर पंचायत और पशु चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में घूम-घूमकर टीम द्वारा प्रतिदिन 20-25 आवारा कुत्तों को पकड़कर उन्हें सुरक्षित तरीके से एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी गिरीश तिवारी ने बताया कि यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कुत्तों से फैलने वाली घातक बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लगातार वैक्सीनेशन से नगर में एक सुरक्षित माहौल बनाया जा सकेगा।

छिंदावाड़ा में होगा बस्तर पंडुम

दरभा। बस्तर पंडुम के आयोजन के तैयारियों को लेकर एसडीएम शंकर लाल सिन्हा ने दरभा जनपद पंचायत के सभागार में बैठक लिया। बैठक में तय किया गया की इस वर्ष छिंदवाड़ा ग्राम पंचायत में बस्तर पंडुम का खंड स्तरीय आयोजन कराया जायेगा। जहां निर्धारित 12 जनजातीय विधाओं का प्रदर्शन होगा। जिसमे जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य, वाद्य यंत्र, वेशभूषा, आभूषण, शिल्प, पेय पदार्थ, व्यंजन, आंचलिक साहित्य, बस्तर वन औषधि का प्रदर्शन शामिल हैं। सभी विधाओं के आकलन एवं मूल्यांकन हेतु निर्णायक समिति का गठन कर दिया गया हैं, जिनके मूल्यांकन के आधार पर हर विधा के विजेताओं को 10 हजार रुपये का पुरस्कार निर्धारित हैं। विजेता दल जिला स्तरीय पंडुम में भाग लेने के हकदार होंगे। खंड स्तरीय पंडुम तिहार आयोजन 16 जनवरी को निर्धारित हैं।

बुजुर्ग महिला ने फांसी लगाकर दी जान

कांकेर। कोरर थानांतर्गत कोरर निवासी 70 वर्षीय कृष्णा बाई सागर पति स्व. मना राम सागर ने 9 जनवरी को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। तुएगहन निवासी 42 वर्षीय संतोष कुलदीप ने पुलिस को बताया कि मृतिका ने फांसी लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नही चल पाया है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

यातायात जागरूकता कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को मिली जानकारी

गीदम। 36वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर यातायात पुलिस दंतेवाड़ा द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक गीदम में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जन्मदिन उत्सव महा बम्पर ड्रा के तहत हरिभूमि ने प्रतिभागियों को बांटे पुरस्कार...

जगदलपुर। अपने सुधि पाठकों के जन्मदिन को यादगार बनाने हरिभूमि द्वारा आयोजित जन्मदिन उत्सव महा बम्पर ड्रा के तहत प्रतिभागी पाठकों को सांत्वना पुरस्कार वितरण किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले पाठकों में जगदलपुर के साक्षी घोष, वी.जोगाराम नायडू, गजेन्द्र सिंह भारद्वाज, सोमेश पाण्डे, नवीन सेठिया शामिल हुए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले इन प्रतिभागियों ने दैनिक हरिभूमि की इस जन्मदिन उत्सव महा बम्पर की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि हरिभूमि सिर्फ सूचना देने का माध्यम नहीं है सामाजिक दायित्वों को भी पूरा कर रहा है।

ढोल - मांदर की थाप पर थिरका गोरला चौक

पेन करसाड़ में उमड़ा आदिवासी स्वाभिमान का जन सैलाब

3 दिनों तक दिखी बस्तर की अनूठी संस्कृति और सामूहिक एकजुटता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम/मद्देड़

आधुनिकता की चकाचौंध और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच भोपालपटनम का गोरला चौक इन दिनों आदिवासी आस्था परंपरा और सांस्कृतिक अटूटता का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है।

- अपनी जड़ों की ओर लौटा समाज

अवसर था तीन दिवसीय पेन करसाड़ महोत्सव का जहां गोंड, मुरिया और दोरला सहित विभिन्न आदिवासी समुदायों के हजारों लोग अपने-अपने पेन देव की छत्रछाया में एकत्र हुए। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में सुबह से ही पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों में सजे ग्रामीणों का रेला गोरला चौक पर उमड़ना शुरू हो जाता था। ढोल, मांदर और टिमकी की गूंज जैसे ही वातावरण में घुलती, हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं और युवा गोलाकार कतारें बनाकर थिरकने लगते। यह नृत्य केवल मनोरंजन नहीं बल्कि आदिवासी जीवनशैली प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंध और पुरखों के संघर्ष की एक मूक गाथा थी। नर्तकों के पैरों की धमक और हाथों का तालमेल आपसी भाईचारे और सामाजिक सुदृढ़ता का संदेश दे रहा था।

आस्था और परंपरा का संगम

क्षेत्रीय पेन की मौजूदगी ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा। पेन करसाड़ पर्व को आदिवासी समाज की सामूहिक चेतना और पहचान का सर्वोच्च प्रतीक माना जाता है। अलग-अलग गांवों से अपने देवताओं के डोली और लाठ लेकर पहुंचे पुजारियों और ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों से पूजा-अर्चना की। बुजुर्गों के सानिध्य में नई पीढ़ी जिस तरह इन रस्मों को निभा रही थी वह इस बात का सुखद संकेत है कि आदिवासी संस्कृति के उत्तराधिकारी अपनी जड़ों को लेकर बेहद गंभीर हैं।

मेले की रौनक और व्यवस्था का अनुशासन

धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ गोरला चौक एक विशाल मेले के रूप में भी तब्दील हो गया था। स्थानीय उत्पादों वनोपज घरेलू सामग्री और खिलौनों की दुकानों से पूरा चौक गुलजार रहा। हजारों की भारी भीड़ रही आयोजन समिति पेनकरसाड समिति गोरला चौक पुलिस प्रशासन की सतर्कता की वजह से पूरा कार्यक्रम अनुशासित रहा। यह तीन दिवसीय संगम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि आदिवासी समाज की वह शक्ति थी जो अपनी संस्कृति को जीवित रखने का संकल्प दोहरा रही थी।

करसाड़ में शामिल हुए 19 पेन देव

इस आयोजन में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 19 प्रमुख पेन देवों को एरनाल मुसलोड़ (सड़ापल्ली), इन्द्रावेल्ली (पेगडापल्ली), बामनम्मा (कुचनूर), दिवानराज (कोमटपल्ली), पोम्मलैय्या (कुचनूर), बीरींगा (कांदलापर्ती), एडीमरी अटटम पडगू (पोषडपल्ली), जिब्बो (कांदूलनार), फोकु मिरिया पुरसूंआ (चिन्नाकावाली), नीलावरूड (संकनपल्ली), चिन्नावेल्लड (पामगल), निलपराज (चेरपल्ली), शिखर धरडू (यापला), मूगाराज (वंगापल्ली), मुदुला मुगाराज (मिनकापल्ली), नीलपराजू (लोडेड), कंचाबराल (भंडारपल्ली), इसरुगंड (दम्मूर) व गण्ठा लिंगैय्या कच्छुगूडू (सड़ापल्ली) आमंत्रित किया गया था। इनके दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा था।

चिरायु हेल्थ कैम्प में 113 बच्चों को मिला निःशुल्क उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी एवं सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर के मार्गदर्शन में दिनांक 9 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों हेतु एकदिवसीय विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय, बीजापुर परिसर में किया गया।

इस शिविर में बालाजी हॉस्पिटल, रायपुर की सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ टीम ने सेवाएँ प्रदान कीं, जिसमें कार्डियोलॉजिस्ट, अनुभवी जनरल सर्जन, चर्म रोग विशेषज्ञ एवं शिशु रोग विशेषज्ञ शामिल थे। साथ ही जिला चिकित्सालय बीजापुर के नाक-कान-गला, नेत्र एवं अस्थि रोग विशेषज्ञों द्वारा भी परामर्श एवं उपचार किया गया। जिले के चारों विकासखंडों से चिरायु टीम द्वारा बच्चों को शिविर में लाया गया।

शिविर में कुल 113 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। इनमें प्रमुख रूप से जन्मजात हृदय रोग के 36, कटे होंठ व तालू के 10, टेढ़े-मेढ़े पैर के 3, हर्निया के 24, जन्मजात मोतियाबिंद के 2, चर्म रोग के 6, कान रोग के 8 तथा अन्य बीमारियों से पीड़ित बच्चे शामिल थे। इनमें से 75 सर्जिकल केस बच्चों को रायपुर रेफर किया गया, जहाँ उनका निःशुल्क उपचार आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पीएमजेएवाय के अंतर्गत किया जाएगा।

धर्मांतरण पर कड़ा रुख, कफन-दफन पर रोक की पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम

बीजापुर जिले के भोपालपटनम स्थित फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजाराम तोड़ेम तथा समाज के अध्यक्ष अरविंद नेताम की ओर से एक अहम प्रेसवार्ता आयोजित की गई। जिसमें धर्मांतरण के मुद्दे पर समाज ने सख्त और स्पष्ट रुख अपनाया। प्रेसवार्ता में सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजाराम तोड़ेम तथा छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने संयुक्त रूप से बयान देते हुए कहा कि आदिवासी समाज की परंपरा, संस्कृति और आस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

प्रेसवार्ता में कहा गया कि आदिवासी समाज की अपनी विशिष्ट रीति-रिवाज, सामाजिक व्यवस्था और धार्मिक परंपराएं हैं, जिन्हें धर्मांतरण के माध्यम से कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। यदि किसी गांव में किसी ऐसे व्यक्ति की मृत्यु होती है, जिसने धर्मांतरण कर लिया है, तो उसका कफन-दफन कार्यक्रम आदिवासी परंपराओं के विरुद्ध है और इससे समाज की भावनाएं आहत होती हैं। ऐसे मामलों में समाज द्वारा कफन-दफन पर रोक लगाने की पहल की जा रही है।

वहीं अध्यक्ष अरविंद नेताम ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी है। धर्मांतरण के जरिए इन परंपराओं को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे आदिवासी समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि समाज अपनी संस्कृति और आस्था की रक्षा के लिए संगठित होकर हर स्तर पर विरोध करेगा।

सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजाराम तोड़ेम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पांचवीं अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा कानून और ग्राम सभा के अधिकार सर्वोपरि हैं। गांव से जुड़े सभी सामाजिक, धार्मिक और सामुदायिक फैसले ग्राम सभा के माध्यम से ही लिए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्मांतरण के बाद होने वाली किसी भी गतिविधि को ग्राम सभा की स्वीकृति नहीं मिलेगी।

उन्होंने कहा कि ग्राम सभा आदिवासी समाज की सर्वोच्च इकाई है और उसके फैसले सभी के लिए मान्य होंगे। धर्मांतरण के मामलों में ग्राम सभा की अनदेखी कर कोई भी गतिविधि स्वीकार नहीं की जाएगी। सर्व आदिवासी समाज ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि धर्मांतरण के मामलों पर रोक नहीं लगी और आदिवासी समाज की परंपराओं का उल्लंघन जारी रहा, तो समाज भविष्य में उग्र आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगा। प्रेस वार्ता के माध्यम से सर्व आदिवासी समाज ने साफ संकेत दिए कि आदिवासी संस्कृति, परंपरा और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

उद्यमिता को नई दिशा देने विशेषज्ञों ने दिए मार्गदर्शन

दंतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार व जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा के मार्गदर्शन में आज जिले में उद्यमिता को बढ़ावा देने, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़कर एमएसएमई क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का तृतीय दिवस सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा राज्य सरकार की संयुक्त उद्यमिता प्रोत्साहन पहलों के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ लाइवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य हरीश कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में अहम भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि एमएसएमई क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है। सिन्हा ने विशेष रूप से योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना उद्यमियों के तकनीकी उन्नयन, क्षमता निर्माण, बाजार विस्तार एवं प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में अत्यंत कारगर साबित हो रही है।

लाखों की लागत से बने बाजार शेड में तीन साल बाद लगेगा बाजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

करोड़ों रूपये खर्च कर बनाया गया बाजार का चबूतरा,शेड व्यापारियों के कुछ काम का नहीं, अब ग्राम पंचायत 7 सौ ट्रेक्टर मुरुम डाल अधिकारी औऱ ठेकेदार की गलतियों को पाट रहे है।

गौरतलब है जिले के उसूर ब्लॉक आवापल्ली में लगने वाला साप्ताहिक हाट बाजार की जगह को नया बस स्टेण्ड बनाये जाने के बाद, जिला प्रशासन नें आवापल्ली गांव

- कार्य एजेंसी ग्राम पंचायत और काम ठेकेदार को दे दिया

के प्रवेश द्वारा मेन रोड़ में यानी धान मंडी क्षेत्र में जगह दी, जों की आबादी क्षेत्र से ढाई तीन किलो मीटर दूर है, हालांकि व्यापारियों को इससे कोई परेशानी नहीं, मगर दिक्कत इस बात की है जनपद पंचायत नें बाजार लगाने जिन 7 शेड वाले चबूतरों का निर्माण किया है उनकी ऊँचाई बहुत ज्यादा है और बाजार के गली में फ्लोरिंग भी नहीं की गई, जिस वजह से ग्राहकों को खड़े होने में परेशानी होती है, शेड वाले चबूतरे होने के बाद भी व्यापारियों को चबूतरे से हटकर तिरपाल बाँधकर दुकाने लागते रहे, वही अब ग्राम पंचायत की मांग पर डीएमएफ मद से सात लाख ख़र्च कर बाजार के गली में मुरुम डाला जा रहा है।

आवापल्ली बाजार निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत है मगर जिले के एक नाम चिन ठेकेदार को ठेका दिया गया,बताया गया की जनपद अधिकारियो नें व्यापारी संघ से एक बार भी बाजार चबूतरा बनाये जाने के पहले राय मशवरा नहीं लिया था, नतीजा यह हुआ की ठेकेदार नें मनमानी बाजार शेड का निर्माण कर दिया, जिसे लेकर स्थानीय व्यापारियों में जमकर रोष था जिस वजह से 2023 में बने बाजार शेड में अबतक दुकाने नहीं लगाई।

मुरुम डलवाया जा रहा

बाजार के चबूतरा निर्माण में कितना खर्च आया मुझे नहीं मालूम, मैं अभी नियुक्त हुआ हूं, लेकिन व्यापारियों की समस्या को देखते हुए डीएमएफ में 7 लाख स्वीकृत हुआ है जिससे बाजार के लिए बने सेट के चारों तरफ मुरुम डलवाया जा रहा है।

-वेंकटेश्वर बुरका,
सचिव, ग्रापं आवापल्ली

पशु चिकित्सालयों में छोटे एवं बडे पालतू पशुओं का किया जा रहा नियमित उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें कांकेर ने बताया कि जिले के पशु चिकित्सालयों में छोटे-बड़े पालतू पशुओं का नियमित उपचार किया जा रहा है। उन्होंने जिले के एक दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर 15 साल पहले भवन बना, आज तक शुरु नहीं हो पाया पॉली क्लिनिक के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2010-11 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत पॉली क्लिनिक भवन निर्माण के लिए 16.50 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुआ था, जिससे पॉली क्लिनिक भवन निर्माण किया गया, किन्तु शासन स्तर पर पद सरंचना स्वीकृत नहीं होने के कारण उक्त पॉली क्लिनिक प्रारंभ नहीं हो पाया है।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें कांकेर ने बताया कि जिले के पशु चिकित्सालय में सभी प्रकार के छोटे एवं बडे.पालतू पशुओं का उपचार एवं शल्य क्रिया किया जा रहा है, इसलिए चिकित्सकीय कार्य प्रभावित नहीं हो रहा है। पॉली क्लिनिक भवन के लिए पद सरंचना स्वीकृत नहीं होने के कारण एक्स-रे मशीन, ऑपरेशन थियेटर, सोनोग्राफी मशीन क्रय नहीं किया गया है। इसलिए उक्त भवन के रख-रखाव को दृष्टिगत रखते हुए कार्यालयीन भण्डार शाखा एवं अन्य शाखा उपयोग कार्यालय द्वारा किया जा रहा है। साथ ही केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित मोबाईल वेटनरी यूनिट जिले के सभी 07 विकासखण्डों में टोल फ्री नम्बर 1962 भी संचालित है, जिसके माध्यम से त्वरित उपचार की सुविधा भी जन सामान्य को उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ के 39 पद स्वीकृत हैं, जिसके विरुद्ध 32 पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ कार्यरत हैं। इसी प्रकार जिले में पशु चिकित्सा विशेषज्ञ के लगभग 82 प्रतिशत पद भरे हुए हैं। पशु चिकित्सालय आमाबेड़ा में पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ की पदस्थापना नहीं होने के कारण अन्य संस्था से व्यवस्था कर कार्य संचालित किया जा रहा है, इस संस्था में कर्मचारी पहले से पदस्थ है। पशु चिकित्सालय कोयलीबेड़ा का प्रभार विकासखण्ड में पदस्थ पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ को सौंपा गया है। इसी प्रकार पशु चिकित्सालय हाटकोंदल में पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ का कार्य प्रभारी मोटर साइकिल इकाई दुर्गूकोंदल के द्वारा किया जाकर विभागीय कार्य जैसे पशु उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं अन्य विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

कोरबा वेस्ट, दुर्ग, रायपुर व बिलासपुर क्षेत्र की टीम विजयी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छग स्टेट पॉवर कंपनी के अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता 9 से 15 जनवरी तक किया जा रहा है। पहले दिन शुक्रवार को कालीपुर मैदान में रायपुर सेंट्रल बनाम कोरबा वेस्ट में से कोरबा वेस्ट, जगदलपुर क्षेत्र बनाम दुर्ग क्षेत्र में से दुर्ग क्षेत्र, धुरगुड़ा मैदान में रायपुर क्षेत्र बनाम मडवा क्षेत्र में से रायपुर क्षेत्र एवं अंबिकापुर क्षेत्र बनाम बिलासपुर क्षेत्र में से बिलासपुर क्षेत्र की टीम विजयी रही। स्पर्धा के मुख्य अथिति विद्युत कंपनी जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक टीके मेश्राम सहित अधिकारी प्रदीप कुमार कंवर, केव्ही मैथ्यू, अमर भगत, सुदीप खेस, फनेश्वर यादव, विनोद टंडन, एनके मांझी, गणेश्वर ध्रुव एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

छात्रों ने विज्ञान पार्क, हवाई अड्डा और कृषि स्थलों का किया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानपुरी

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय बेसोली ने 6 जनवरी को 80 छात्रों को समृद्ध शैक्षिक भ्रमण पर ले जाया गया। शिक्षा को वास्तविक दुनिया की खोज से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस यात्रा में समूह अक्षय ऊर्जा एवं विज्ञान पार्क घाटलोहंगा, मां दंतेश्वरी हवाई अड्डा जगदलपुर, शहीद वीर गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय कुमरावंड तथा चित्रकूट जलप्रपात गया। यात्रा की शुरुआत अक्षय ऊर्जा एवं विज्ञान पार्क से हुई, जहां छात्रों ने नवीकरणीय ऊर्जा प्रदर्शनियों और भौतिकी प्रयोगों में डूब गए। उन्होंने सौर, पवन तथा जल मॉडलों के साथ अंतरक्रिया की, ऊर्जा रूपांतरण, न्यूटन के नियम तथा भारत के हरे भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सतत ऊर्जा स्रोतों को समझा। मां दंतेश्वरी हवाई अड्डे पर हवाई अड्डा प्राधिकरणों से मार्गदर्शित दौरा प्राप्त हुआ, जिसमें चेक-इन सेवाओं से लेकर वायु यातायात प्रबंधन तथा विमानन भौतिकी तक संचालन की जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने रडार प्रणालियों पर चमत्कार किया तथा सुरक्षा प्रोटोकॉल सीखे, जो अंतरिक्ष करियर में रुचि जगाए। शहीद वीर गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय का दौरा कृषि उन्नति पर केंद्रित रहा।

खबर संक्षेप

त्रि दिवसीय मानसगान प्रतियोगिता 12 से होगी

धनेलीकन्हार। ग्राम तेलावट में प्रति वर्ष की भाती इस वर्ष भी राज्यस्तरीय त्रि दिवसीय मानसगान प्रतियोगिता का आयोजन 12 जनवरी से होगा, जिसमें राज्य की ख्याति प्राप्त मानस मंडलीय भाग लेंगी। प्रतिदिन 9 मानस मंडलिया अपनी प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश शोभा यात्रा के साथ होगा व कलश यात्रा शीतला मंदिर से प्रारंभ हो कर ग्राम भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल में पहुंचेगी। इस कार्यक्रम में कलश सजाओ, आरती थाल सजाओ, सुनो गुनो प्रतियोगिता भी होंगी। कार्यक्रम को लेकर समिति के अध्यक्ष सियाराम सलाम, उपाध्यक्ष पारस टावरी, नेपाल सलाम, सचिव रविशंकर जैन, कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार जैन, कोषाध्यक्ष मनोज जैन, श्याम सिंह मंडावी, सह सचिव नम्मू खरे,गोविंद यादव, ग्राम पटेल मनोज सलाम, सरपंच लक्ष्मी चिराम, सोनाराम साहु, अंकित टावरी, सियाराम सोनवानी, हेमंत पाल, रंजीत मंडावी, कोमल खरे, मिलाउ कावड, शेखर साहू, दिलेश्वर हिरवानी, हर्ष चुरेंद्र, मोहित टावरी व कुम्भज हिरवानी शामिल रहे।

प्रधान डाकघर में आज आधार शिविर होगा

कांकेर। भारतीय डाक विभाग द्वारा प्रधान डाकघर कांकेर और कोरर उपडाकघर में आज 10 जनवरी शनिवार को वरिष्ठ नागरिकों के लिए पूरे दिन आधार नामांकन एवं सुधार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। नवीन आधार कार्ड, पुराने आधार में बायोमेट्रिक एवं डेमोग्राफिक अपडेट का कार्य किया जाएगा। व्यक्ति अपने साथ पुराना आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, अंकसूची, पासपोर्ट आदि दस्तावेजो के माध्यम से अपडेट की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। अधीक्षक डाकघर बस्तर संभाग जगदलपुर के निर्देश पर उप संभागीय निरीक्षक कांकेर केके तुरकर एवं विजय जांगड़े के मार्गदर्शन में इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

आर्थिक सहायता के लिए राशि स्वीकृत

कांकेर। राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 में दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने मधुमक्खी काटने एवं नाला में डूबने से मृत्यु होने के दो प्रकरण में मृतक के आश्रितों लिए चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। दुर्गुकोंदल तहसील अंतर्गत ग्राम हाहालद्दी निवासी 50 वर्षीय अजमु राम नरेटी की मधुमक्खी काटने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके निकटतम आश्रित रौनीबाई नरेटी के लिए चार लाख तथा ग्राम कोसपराली निवासी 55 वर्षीय राजाराम कोवाची की नाला में डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में पत्नी रिंगायबाई कोवाची के लिए चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता कलेक्टर द्वारा स्वीकृत की गई है।

राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन 12 को

कांकेर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर 12 जनवरी सोमवार को पर भाषण प्रतियोगिता, काव्य पाठ प्रतियोगिता तथा रंगोली का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन बैंडमिंटन क्लब माहुरबंदपारा कांकेर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में तीन विधाओं को शामिल किया गया है, जिसमें जिला मुख्यालय के समस्त स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी एवं खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए खेल अधिकारी ने बताया कि युवा दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम', आत्मनिर्भर भारत, नशामुक्त भारत शपथ एवं विवेकानंद जी के विचारों व योगदान पर परिचर्चा किया जाएगा।

धान खरीदी : लापरवाही के कारण दिनों दिन बढ़ रही परेशानी

धान उठाव नहीं होने से खरीदी व्यवस्था चरमराई, किसान और समिति परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरोना

नरहरपुर विकासखंड अंतर्गत धान उठाव की प्रक्रिया ठप होने से किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। धान खरीदी केंद्रों में पहले से खरीदे गए धान का समय पर उठाव नहीं होने के कारण अब नई खरीदी पर भी संकट खड़ा हो गया है। इसका सीधा असर क्षेत्र के सैकड़ों किसानों और समितियों पर पड़ रहा है। जगह की कमी, खरीदी बंद होने की मजबूरी और किसानों के बढ़ते दबाव के कारण समितियों की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति अभनपुर में धान उठाव नहीं होने से हालात गंभीर बने हुए हैं। समिति अध्यक्ष मनु राम भास्कर ने बताया कि समिति में अब तक 23,500 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके अलावा बफर लिमिट से अधिक लगभग 9,500 क्विंटल धान की अतिरिक्त खरीदी हो चुकी है। लगातार उठाव नहीं होने के कारण समिति परिसर में धान रखने की जगह पूरी तरह भर चुकी है। ऐसे में मजबूरीवश सोमवार से धान खरीदी रोकने की स्थिति बन सकती है, जिससे किसानों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। इसी तरह आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बादल के धान खरीदी केंद्र में भी जगह के अभाव के चलते खरीदी पूरी तरह बंद कर दी गई है। समिति अध्यक्ष देवनाथ कुंजाम ने बताया कि उनके केंद्र में अब तक 25,166.40 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है, जबकि बफर लिमिट से लगभग 1,300 क्विंटल अधिक धान पहले ही संग्रहित किया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक धान का उठाव नहीं किया गया है। देवनाथ कुंजाम ने बताया कि धान उठाव को लेकर जिला प्रशासन को कई बार लिखित आवेदन देकर स्थिति से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही के कारण किसानों की मुश्किलें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। किसानों का कहना है कि वे दिन-रात मेहनत कर खेती करते हैं और शासन द्वारा समय पर धान नहीं खरीदा गया या उठाव नहीं किया गया तो उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। अधिकांश किसान सहकारी बैंकों से ऋण लेकर खेती करते हैं, जिसे समय पर चुकाना उनकी मजबूरी होती है। यदि धान का उठाव नहीं हुआ तो न केवल कर्ज चुकाना मुश्किल होगा, बल्कि उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ेगा।

केंद्रों में सुविधाओं से धान बेचना हुआ आसान, किसानों को राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

प्रदेश सरकार की धान खरीदी नीति का किसानों को भरपूर लाभ मिल रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत संपूर्ण धान खरीदी की प्रक्रिया को सुगम, पारदर्शी और आधुनिक तकनीकी सुविधायुक्त विकसित किया गया है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ किसानों को मिल रहा है।

कांकेर ब्लॉक के ग्राम सातलोर से धान बेचने धान उपार्जन केंद्र पटौद पहुंचे किसान धनराज सलाम ने बताया कि उनके पास 5.5 एकड़ कृषि भूमि है और पहले टोकन में 30.80 क्विंटल धान का विक्रय किया था। इसके पश्चात आज पुनः 71.60 क्विंटल धान सफलतापूर्वक बेचा। किसान ने बताया कि टोकन कटवाने की प्रक्रिया में दोनों ही बार किसी प्रकार की समस्या नहीं आई। टोकन तुंहर हाथ एप के माध्यम से टोकन आसानी से मिलने से धान विक्रय का कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। उन्होंने बताया कि धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे खेती की मरम्मत एवं दैनिक उपयोग के खर्चों में करेंगे। शासन की डिजिटल पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस व्यवस्था से किसानों को समय पर सुविधा और पारदर्शिता मिल रही है। बिना किसी परेशानी के अपना धान केंद्र आसानी से बेच रहे हैं। वहीं धान के उठाव में भी तेजी आई है। उन्होंने राज्य सरकार की किसान हितैषी नीति के प्रति साधुवाद प्रकट करते हुए आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार माना।

युवती से दुष्कर्म को दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के चलते एक युवती के साथ हुई शर्मनाक घटना के आरोपी दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 08 जनवरी को हुई थी।

जानकारी के अनुसार पीड़िता अपने कॉलेज से घर लौट रही थी, तभी आरोपी 21 वर्षीय यश कुमार साहू ने दुष्कर्म का प्रयास किया, जबकि जितेन्द्र कुमार साहू ने उसका सहयोग किया। पीड़िता की शिकायत पर थाना कांकेर में मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। पर्याप्त सबूत मिलने के बाद 09 जनवरी को उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड प्राप्त किया गया।

साहू और उसका साथी 27 वर्षीय जितेन्द्र कुमार साहू निवासी परसोदा ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने पीड़िता को अश्लील गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के दौरान यश थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम, जिसमें सउनि भुनेश्वरी भगत, आरक्षक में अनिल मरकाम, गजेन्द्र नागवंशी, रामूराम जुर्री, गणेश्वरी कोड़पी और थाना पेट्रोलिंग पार्टी शामिल रही।

प्रतापपुर नदी में अवैध रेत खनन जारी पर जिम्मेदारों ने साधा मौन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पखांजूर

प्रतापपुर नदी इन दिनों रेत माफ़ियाओं की अवैध कमाई का बड़ा ज़रिया बन चुकी है। हैरानी की बात यह है कि न तो खनन के लिए कोई वैध परमिट जारी किया गया है और न ही खनन की कोई निर्धारित सीमा तय है, फिर भी दिन-रात बेखौफ होकर अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा है। हालात को देखकर यही सवाल उठता है कि क्या रेत माफ़ियाओं को इतना मज़बूत संरक्षण प्राप्त है कि उन्हें किसी भी प्रकार की कार्रवाई का डर नहीं है।

पखांजूर तहसील के अंतर्गत प्रतापपुर नदी में अवैध रेत ढुलाई में लगे अधिकांश ट्रैक्टर बिना लाइसेंसधारी चालकों द्वारा चलाए जा रहे हैं। संबंधित विभागों की लापरवाही के चलते इस गंभीर समस्या पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। नतीजतन, क्षेत्र में कई बड़े सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेत तस्करों और कुछ जिम्मेदार अधिकारियों के बीच गहरी सांठगांठ की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। शिकायतों और हादसों के बावजूद यदि कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो यह प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पुलिस व बीएसएफ का प्रयास रहा सफल गुमशुदा बुजुर्ग सकुशल परिजनों को मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

पाँच साल पहले बिछुड़े पिता की तलाश जब उम्मीदों से भी दूर हो चुकी थी, तब कांकेर पुलिस और बीएसएफ जवानों की संवेदनशीलता ने एक परिवार को फिर से मिला दिया। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात सुरक्षाबलों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए एक गुमशुदा बुजुर्ग को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया, यह कहानी है भरोसे, मेहनत और इंसानियत की।

जानकारी के अनुसार 5 जनवरी को बीएसएफ कैम्प सुलंगी से जवान एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी पर निकले थे। इसी दौरान हनुमान मंदिर सुलंगी के पास सड़क किनारे एक मानसिक रूप से विक्षिप्त बुजुर्ग व्यक्ति बैठा मिला। बीएसएफ जवानों द्वारा पूछताछ करने पर बुजुर्ग ने अपना नाम लक्ष्मण दायमा पिता स्व. रामगोपाल दायमा निवासी ग्राम तालनगरी, थाना व जिला होशंगाबाद (नर्मदापुरम), मध्यप्रदेश बताया। मानवीय संवेदना दिखाते हुए बीएसएफ जवानों ने बुजुर्ग का फोटो व वीडियो सोशल मीडिया एवं व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से मध्यप्रदेश तक प्रसारित किया। इसके परिणामस्वरूप पता चला कि उक्त बुजुर्ग के संबंध में गुम इंसान क्रमांक 13/2020 थाना होशंगाबाद नर्मदापुरम में दर्ज है। पाँच वर्षों से परिजन बुजुर्ग के मिलने की उम्मीद लगभग खो चुके थे।

जानकारी मिलने पर बुजुर्ग के पुत्र सौरभ दायमा एवं भतीजे गणेश दायमा बीएसएफ जवानों से संपर्क कर 7 जनवरी को होशंगाबाद से थाना सिकसोड, जिला कांकेर पहुँचे। थाना प्रभारी रामजी तारम को संपूर्ण जानकारी देने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। तलाश के दौरान जानकारी मिली कि बुजुर्ग व्यक्ति पैदल पोड़गांव की ओर गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल पोडगांव पहुँची। बुजुर्ग को थाना सिकसोड लाकर स्वास्थ्य की जानकारी ली गई तथा वीडियो कॉल के माध्यम से उनके परिजनों एवं थाना होशंगाबाद के विवेचक से पुष्टि कराई गई। सभी औपचारिकताओं के पश्चात गुमशुदा बुजुर्ग को सुपुर्दनामा पर उनके परिजनों को सौंपकर सकुशल उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किया गया। पाँच वर्षों बाद पिता से मिलकर पुत्र सौरभ दायमा के चेहरे पर खुशी साफ झलक उठी। परिजनों ने नक्सल मोर्चे पर तैनात बीएसएफ जवानों एवं कांकेर पुलिस के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

साल भर से गैस एजेंसी के चक्कर काट रहे उज्ज्वला योजना के सैकड़ों हितग्राही

हरिभूमि न्यूज ⏭ पखांजूर

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना पखांजूर क्षेत्र में विभागीय लापरवाही और गैस एजेंसी की मनमानी की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। क्षेत्र के सैकड़ों पात्र हितग्राही पिछले एक साल से गैस कनेक्शन पाने के लिए आमाबूदीन गैस एजेंसी अंतागढ़ के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें समाधान के बजाय सिर्फ कोरा आश्वासन मिल रहा है।

ग्रामीण महिलाओं ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि एक वर्ष पूर्व उन्होंने योजना के तहत आवेदन किया था। आवेदन स्वीकृत होने के बावजूद आज तक उन्हें न तो गैस सिलेंडर मिला है, न रेगुलेटर और न ही चूल्हा। आलम यह है कि 'धुआं मुक्त रसोई' का सपना देखने वाली ये महिलाएं आज भी चूल्हे और लकड़ियों के बीच गुजर-बसर कर रही हैं, जिससे उनके और उनके बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। हितग्राहियों का आरोप है कि जब वे इस संबंध में सेल्स ऑफिसर मनोज मंडल से शिकायत करते हैं, तो वे अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए उन्हें बिसंभर गैस एजेंसी में ट्रांसफर कर देते है, लेकिन जब हितग्राही वहां पहुंचते हैं, तो बिसंभर एजेंसी उन्हें कनेक्शन देने से साफ इनकार कर देती है। हमें यहाँ से वहाँ भटकाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि विभागीय अधिकारियों और एजेंसी संचालकों के बीच कोई साठगांठ है, जिसके कारण आमाबूदीन एचपी गैस एजेंसी पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। एजेंसी की कार्यप्रणाली से त्रस्त ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों ने अब प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने मांग की है कि मामले की तत्काल निष्पक्ष जांच की जाए, दोषी एजेंसी और अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो, सभी पात्र हितग्राहियों को जल्द से जल्द कनेक्शन प्रदान किया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द ही उनकी सुध नहीं ली, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन कागजों में सिमट चुकी इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए क्या कदम उठाता है।

ब्लाक पंडुम समारोह के लिए बैठक हुई आयोजित

भानुप्रतापपुर। जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर में विकासखंड स्तरीय बस्तर पडुम 2026 आयोजन विषय पर चर्चा के लिए जनजाति समाज का बैठक आयोजित किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से 16 जनवरी को ग्राम पंचायत परवी में आयोजन करने का निर्णय लिया गया।

विकास विस्तार अधिकारी शत्रुघ्न कुंजम के द्वारा शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों का वाचन कर चर्चा के विषय में लाया गया। बस्तर पडुम के प्रतियोगिता में निम्न विद्या सम्मिलित होंगे। जनजातीय नृत्य, जनजातीय गीत, जनजातीय नाट्य, जनजातीय वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन, जनजातीय वेशभूषा का प्रदर्शन, जनजातीय आभूषण का प्रदर्शन, जनजातीय शिल्प का प्रदर्शन, जनजातीय चित्रकला का प्रदर्शन, जनजातीय पर पदार्थ का प्रदर्शन, जनजातीय व्यंजन का प्रदर्शन, आंचलिक साहित्य का प्रदर्शन, बस्तर वन औषधि का प्रदर्शन बिंदुवार सभी विषयों पर चर्चा किया गया। उपरोक्त प्रस्तुतीकरण में मूल्यांकन संगीत कला वाद्य यंत्र वेषभूसा प्राचीनता श्रृंगार प्रमाणिकता कलाकारी संगीत कला पौराणिकता प्रस्तुतीकरण बोली भाषा कथानक विषय वस्तु आदि के आधार पर अलग-अलग विषयों पर अलग-अलग आधार पर अंक निर्धारित किया गया है। अधिक अंक प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागी को ब्लॉक स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। ब्लॉक स्तरीय प्रदर्शन में उत्कृष्ट प्रतिभागी जिला स्तर पर अपना प्रदर्शन करेंगे। बैठक में गन समाज अध्यक्ष रामकृष्ण उईके, पवन कुमार दनात, जनपद अध्यक्ष सुनाराम तेता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जीएल चुरेंद्र, राधेश्याम भास्कर, राधेलाल नुरेटी, झाडुराम मंडावी, अंशोक कुमार तेता, विरेन्द्र कोरेटी, बालसिंह पोटाई, बलीराम कोरचे, ज्ञान सिंह गौर, पूरन सिंह कमरा, मनीष कुमार कोला, खिलेश्वर कवाडे, कामदेव टीकम उपस्थित रहे।

लापरवाही से कार में लगी थी आग, चालक पर मामला दर्ज

कांकेर। थाना कांकेर अंतर्गत आतुरगांव पुल के पास सड़क दुर्घटना में कार में आग लग जाने से मौत होने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में पाया गया कि मृतक कोण्डागांव जिला के केशकाल थानांतर्गत सिंगनपुर निवासी 20 वर्षीय हेमंत बघेल पिता नरेश बघेल 19 जुलाई को रात करीबन साढ़े 12 बजें अपने दोस्त युवराज शोरी, प्रीतम नेताम, सुरज उईके, पृथ्वीराज सलाम, दीपक मरापी के साथ कार क्रमांक सीजी 04 पीएस 7460 में सवार होकर केशकाल से कांकेर आ रहे थे। कार को युवराज शोरी चला रहा था। आतुरगांव पुल के पास कार को युवराज शोरी तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर पुल के रेलिंग से टकरा दिया। कार के टकराने से कार में आग लग गया, जिससे पृथ्वीराज सलाम एवं प्रीतम नेताम को चोट लगा था और वे कार से बाहर निकले एवं हेमंत बघेल, युवराज शोरी, सुरज उईके, दीपक मरापी कार से नहीं निकल पाने से कार के अंदर जल गए व उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी कार क्रमांक सीजी 04 पीएस 7460 का चालक युवराज शोरी के खिलाफ धारा 106 (1), 125 (ए), 281 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।